



आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क:  
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan,

रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश नं / O.I.O. No.	दिनांक / Date
	V2/1/RAJ/2017	40/D/AC/2016-17	23.11.2016

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**RAJ-EXCUS-000-APP-133-2017-18**

आदेश का दिनांक /  
Date of Order: **05.12.2017** जारी करने की तारीख /  
Date of issue: **06.12.2017**

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /  
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गांधीधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सुनिश्चित /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name&Address of the Appellant & Respondent :-**  
M/s. AVR Valves Pvt Ltd., C-1/33, AJI Industrial Estate., Rajkot

इस आदेश(अपील) से व्यक्ति कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यों/कांसे से सम्बन्धित सभी मामलों सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताए गए अपील के अलावा सब अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (विस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, दक्षिणी तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2<sup>nd</sup> Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ध्याज की मांग और लगाया गया जर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो बकाश: 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किली भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पर के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ध्याज की मांग और लगाया गया जर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो बकाश: 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किली भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पर के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



(i) क्लिप अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत टर्न की गई अपील, सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रार S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ अप्रुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अप्रुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा परित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रामाणिक होमों चाहिए) और अप्रुक्त द्वारा सहायक अप्रुक्त अथवा उपप्रुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर, को अपील न्यायाधिकरण को आवेदन टर्न करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। /  
The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्त कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत 'मांग किए गए शुल्क' में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
- (ii) सेलवेट जमा की गी गई राशि
- (iii) सेलवेट जमा निष्पादनी के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

- बशर्त यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विवादित स्वयंम अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (i) amount determined under Section 11 D.
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 5 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India:

इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अत्र लखिय, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, क्लिप संकलन, राजस्व विभाग, पीपी मजिन, जीवन टॉप भवन, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाता चाहिए। /

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /  
In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के फुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /  
In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of an excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /  
In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty

(iv) सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ह्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो अप्रुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक़े अथवा समतुल्य विधि पर या बाद में परित किए गए हैं। /  
Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रथम संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संश्लेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साक्ष्य के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /  
The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए। /  
जहां संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। /  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस लक्ष्य के होने हुए भी की विलक्षण परी कार्य से बचने के लिए परामर्शित अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। /  
In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) वसासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। /  
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमवली, 1982 में वर्णित एवं अन्य सम्बन्धित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /  
Attention is also invited to the rules covering methods and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दायित्व करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विदेशीय वेबसाइट [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in) को देख सकते हैं। /  
For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website [www.cbec.gov.in](http://www.cbec.gov.in)



**:: ORDER-IN-APPEAL ::**

M/s. AVR Valves Pvt. Ltd., Unit-2, Plot No. 2317-2318 & 2329, GIDC, Metoda, Taluka: Lodhika, Dist.: Rajkot holding Central Excise Registration No. AAFC6746FXM002 (hereinafter referred to as 'the appellant') has filed the present appeal against the Order-in-Original No. 40/D/AC/2016-17 dated 22/23.11.2016 (hereinafter referred to as 'the impugned order'), passed by the Assistant Commissioner, Central Excise Division-I, Rajkot (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

2. The brief facts of the case are that the appellant is engaged in the manufacture of excisable goods falling under Chapter 84 of the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985. The scrutiny of Cenvat credit register revealed that they had availed Cenvat credit of Rs. 36,709/- vide RG23A Entry No. 38 dated 04.05.2012 on the basis of Invoice No. 1129 dated 25.04.2012 of M/s. Eaton Industrial Systems Pvt. Ltd., Ahmedabad. The said invoice had been raised on account of rejected material returned to the appellant, however, as request to provide details regarding rejected material and processes they had undertaken and clearance of this material after processing on payment of duty, the appellant failed to provide any such details. In absence of any such records of further processing of such rejected material and payment of duty, Cenvat credit on such rejected material is not available to them in terms of Rule 16 of the Central Excise Rules, 2002 (hereinafter referred to as "the Rules").

2.1 The Show Cause Notice F. No. CEX/AUDIT-III/CIR-II/DC-10/2015-16 dated 24.05.2016 was issued by the Deputy Commissioner, Circle-IV, Central Excise, Audit-III, Rajkot proposing recovery of wrongly availed Cenvat Credit of Rs. 36,709/- alongwith interest under Rule 14 of Cenvat Credit Rules, 2004 (hereinafter referred to as "the CCR,2004) read with Section 11A/11AA of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "the Act") and penalty on the appellant under Rule 15 of the CCR,2004 read with Section 11AC of the Act. The said show cause notice was adjudicated by the lower adjudicating authority vide impugned order, who disallowed the Cenvat Credit of Rs. 36,709/- under Rule 14 of the CCR,2004 read with Section 11A of the Act and asked to pay interest under Rule 14 of the CCR,2004 read with Section 11AA of the Act and also imposed penalty of Rs. 36,709/- under Rule 15 of the CCR,2004 read with Section 11AC of the Act on the appellant.



52 3. Being aggrieved by the impugned order, appellant preferred the present appeal mainly on the following grounds:

(i) The observations of the lower adjudicating authority in para 17 onwards for confirmation of demand is bad in law and is liable to be set aside.

(ii) The lower adjudicating authority erred in confirming the demand ignoring the fact that for availment of credit under the provisions of Rule 16 only requirement is to receive the material with duty paying documents and to account for the same in statutory which admittedly is complied with and hence any other condition imposed or read in the respective provision would amount to rewriting of the provision which is not legal and correct and is liable to be set aside.

(iii) The lower adjudicating authority has erred in confirming the demand by reading something in the provision as also by applying the circular issued by the Board. The circular issued is not applicable to the present case and hence the proceeding initiated is liable to be dropped.

(iv) The lower adjudicating authority erred in imposing the penalty on the ground as mentioned in the order as also on the ground as mentioned herein above. The ground raised for setting aside the demand may be treated as part of the ground raised for setting aside the penalty imposed.

(v) The lower adjudicating authority also erred in imposing the penalty ignoring the fact that the applicant has complied with all the conditions prescribed under the provisions of Rule 16 and hence the order under consideration is liable to be set aside.

3.1 A personal hearing in the matter was attended by Shri Paresh Sheth, Advocate, who reiterate grounds of appeal and submitted that they have followed conditions of Rule 16(1) of the Rules. No one appeared from the Department, though personal hearing letter was sent to them.

#### FINDINGS:

4. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the appeal memorandum and submissions made by the appellant including during personal hearing.

5. The issue to be decided in the present case is as to whether the



appellant was eligible for Cenvat credit of goods returned back as rejected by the buyer, in terms of Rule 16 of the Rules even though details of its further processing are not known/available, or not. 9

6. I find that the appellant vide their Invoice No. 001/02.04.2012 had sold 2000 Nos. of Auto Engine Valves valued at Rs. 99,000/- involving Central Excise duty of Rs. 12,237/- (BED: 11,880/- + Ed. Cess 238/- + SHE Cess 119/-) to M/s. Eaton Industrial System Pvt. Ltd., Ahmednagar. Like wise, the appellant vide Invoice No. 195/29.03.2012 had sold 4000 Nos. of Auto Engine Valves valued at Rs. 1,98,000/- involving Central Excise duty of Rs. 24,473/- (BED 23760/- + Ed. Cess 475/- + SHE Cess 238/-) to M/s. Eaton Industrial System Pvt. Ltd., Ahmednagar. The buyer vide their Invoice No. 1129 dated 25.04.2012 had returned all 6000 Auto Engine Valves valued at Rs. 2,97,000/- involving Central Excise duty of Rs. 36,709/- to the appellant with remark: "Rejected material return to party ref. your invoice No. 001/02.04.2012 & 195/29.03.2012.

6.1 In the backdrop of above, let us examine provisions of Rule 16 of the Rules as detailed below:

Rule 16. Credit of duty on goods brought to the factory. -

(1) Where any goods on which duty had been paid at the time of removal thereof are brought to any factory for being re-made, refined, re-conditioned or for any other reason, the assessee shall state the particulars of such receipt in his records and shall be entitled to take CENVAT credit of the duty paid as if such goods are received as inputs under the CENVAT Credit Rules, 2002 and utilise this credit according to the said rules.

(2) If the process to which the goods are subjected before being removed does not amount to manufacture, the manufacturer shall pay an amount equal to the CENVAT credit taken under sub-rule (1) and in any other case the manufacturer shall pay duty on goods received under sub-rule (1) at the rate applicable on the date of removal and on the value determined under sub-section (2) of section 3 or section 4 or section 4A of the Act, as the case may be.

**Explanation.** - The amount paid under this sub-rule shall be allowed as CENVAT credit as if it was a duty paid by the manufacturer who removes the goods.

(3) If there is any difficulty in following the provisions of sub-rule (1) and sub-rule (2), the assessee may receive the goods for being re-made, refined, re-conditioned or for any other reason and may remove the goods subsequently subject to such conditions as may be specified by the Commissioner. B2-60

6.2 On reading of the above provisions, it is found that the goods on which duty had been paid at the time of removal and brought back to factory for being re-made, refined, re-conditioned or for any other reason, the assessee shall state the particulars of such receipt in his records and they would be entitled to take Cenvat credit of the duty paid as if such goods are received as inputs under CCR,2004 for making final products.



6.3 I find that the goods were rejected on the ground of quality control but the appellant failed to establish as to what had happened to the rejected goods and whether these goods were re-made or refined or re-conditioned or any other treatment was given to it. It is not on record that the appellant had re-made, refined, re-conditioned and the said rejected goods received were sent back to the said buyer or to some one else.

6.4 The said returned goods are required to be treated as inputs and Cenvat credit will be admissible only when the appellant is able to establish that these goods were subjected to further processing and final products were cleared on payment of Central Excise duty. The appellant is required to show that these goods were further used or subjected to further processing and the appellant failed to establish any such thing. In absence of any such records, I concur with the findings of the lower adjudicating authority.

6.5 In view of above, I hold that the appellant is not eligible to take Cenvat credit in this case and accordingly, reject the appeal and uphold the impugned order.

6. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

7. The appeal filed by the appellant is disposed of in above terms.

सत्यापित,  
 12/11/2012  
 बार. एस. चोपड़ा  
 अधीक्षक (अपील्स)

(कुमार संतोष)  
 आयुक्त (अपील्स)

By R.P.A.D.

To,

M/s. AVR Valves Pvt. Ltd., Unit-2,  
 Plot No. 2317-2318 & 2329,  
 GIDC, Metoda, Taluka: Lodhika,  
 Dist.: Rajkot

मे. एवीआर वाल्वस प्राइवेट लिमिटेड,  
 यूनिट-II, प्लॉट सं. 2317-2318 एवं 2329,  
 जी.आई.डी.सी. मेटोडा, तहसील: लोधीका,  
 जिल्ला: राजकोट.

Copy to:

- 1) The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, GST & Central Excise, Rajkot.
- 3) The Assistant Commissioner, GST & Central Excise, Division - I, Rajkot.
- 4) The Superintendent, GST & Central Excise, Range-III, Rajkot.
- 5) Guard File.

